भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

प्रेस वक्तव्य

दिनांक–10 फरवरी 2018

अपनी जीवनसाथी पद्मा के इर्द गिर्द ही स्वयं को बांधकर अंततः राजनीतिक रूप से पतित होकर दुश्मन के सामने घुटना टेकने के निर्णय पर पहुंचे कॉमरेड रमणन्ना दंडकारण्य के क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास के पन्नों में एक नकारात्मक शिक्षक बने रहेंगे!

कॉमरेड रमणन्ना ने 1974 से पार्टी संपर्क में आकर पार्टी के मार्गदर्शन में जन संगठनों में काम करते हुए 1984 में पूर्णकालीन क्रांतिकारी के रूप में जिम्मेदारी स्वीकार की. चूंकि उन्हें पेशे के हिसाब से बढ़ई व लोहार के काम में बढ़िया अनुभव हासिल था, इसलिए पार्टी ने उन्हें हथियार तैयारी के क्षेत्र में जिम्मेदारी दी. क्रांतिकारी आंदोलन में करीबन 3 दशक से भी ज्यादा समय तक उन्होंने उसी क्षेत्र में जिम्मेदारियां निभाई. खासकर डीके में उस क्षेत्र को स्थापित व विकसित करने में उनकी प्रधान भूमिका रही. विभिन्न किस्म के हथियारों की मरम्मत एवं तैयारी के लिए स्थापित इकाई के प्रभारी के रूप में काम करते हुए उन्होंने कई तकनीशियनों को विकसित किया. उन्होंने डीके के सभी सब जोनों में उन विभागों के निर्माण की नींव डाली. कॉमरेड रमणन्ना एक ओर तकनीकी विभाग को विकसित करने की कोशिश करते हुए भी विभिन्न सैनिक प्रशिक्षण कैम्पों में प्रशिक्षक की हैसियत से छात्रों को तकनीकी विषयों में प्रशिक्षण देते रहे. आंदोलन के विकास के साथ–साथ तकनीकी विभाग को उन्होंने उल्लेखनीय स्तर तक विकसित किया. नव निर्मित एवं इम्प्रूवाईज्ड हथियारों के प्रयोग में वे हमेशा पहलकदमी के साथ आगे रहते थे. जंग के मैदान में छापामारों के हाथ में ताकतवर हथियारों के रूप में काम करने के हिसाब से हमारे हथियार संपत्ति को विकसित करना चाहिए, इस सोच के साथ इस दिशा में वे हमेशा कोशिश करते थे. तकनीकी क्षेत्र के साथ–साथ लेखन में भी उनकी खास अभिरुचि रही. पार्टी पत्रिकाओं के अलावा बाहरी पत्रिकाओं के लिए भी वे समय–समय पर लेख लिखते रहे. यह उनकी विशेषता थी. कुल मिलाकर 1974 से लेकर 2007 तक के आंदोलन के विकास की प्रक्रिया में उनकी काफी सकारात्मक भूमिका रही. बाद के एक दशक के दौरान वे दिन ब दिन सभी तरह से समस्यात्मक बनकर अपनी जीवनसाथी पद्मा के इर्द गिर्द ही स्वयं को बांधकर अंततः राजनीतिक रूप से पतित होकर दुश्मन के सामने घुटना टेकने के निर्णय पर पहुंच गए हैं. दंडकारण्य के क्रांतिकारी आंदोलन के इतिहास के पन्नों में उन्होंने एक नकारात्मक शिक्षक के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया.

कॉमरेड रमणन्ना अगस्त 2007 में आयोजित एसजडसी की बैठक को अपना इस्तीफा भेज दिया था. उनकी जीवनसाथी कॉमरेड पद्मा को उनके अराचकतावादी व्यवहार के चलते पदावनत करते हुए किए गए प्रस्ताव पर अपना भिन्न मत दर्ज कराते हुए उन्होंने अपना इस्तीफा दिया था. यह उनके व्यक्तिवादी सोच व व्यवहार का नतीजा था. एसजडसी, सीसी की ओर से काफी समझा बुझाने के बावजूद वे अपना इस्तीफा वापस नहीं लिया. और डीवीसी सदस्य के स्तर में काम करने का जिद ठान ली थी. बाद में वे डीवीसीएम के हैसियत से फरवरी 2008 से पूर्व बस्तर डीवीसी में रहकर काम करते रहे. बाद में झारखण्ड तबादला करने की मांग पर कुछ समय तक अड़े रहे. बाद में उत्तर रीजनल कमेटी के नेतृत्व में गठित रीजनल टीडी कमेटी के सचिव के रूप में 2012 तक काम करते रहे. इस पूरे समयावधि में कॉमरेड पद्मा उनके साथ में रही और हमेशा यूनिट फंक्शनिंग के लिए बाधा बनी रही. साथ ही दोनों के बीच के गाली गलौजपूर्ण व मारपीटयुक्त संबंध कैडरों व क्रांतिकारी जनता के लिए असहनीय बोझ जैसे थे. आखिरकार 2012 के मध्य में रीजनल टीडी यूनिट को कमेटी व यूनिट में व्याप्त अनेकता के चलते रद्द करना पड़ा.

बाद में कॉमरेड रमणन्ना की इस मांग पर कि वे बीएन–2 में रहकर आर्टिलरी को विकसित करने व इस्तेमाल करने में कुछ प्रयोग करना चाहते हैं, गौर करके उनकी सेवाओं को किसी भी तरह आंदोलन के हित में इस्तेमाल करने के उद्देश्य से बीएन–2 में सीवाईपीसी सदस्य के रूप में भेजा गया था. हालांकि उस समय वे कॉमरेड पद्मा को अलग रखने के लिए तैयार हुए थे, लेकिन 6 महिने के भीतर ही कॉमरेड पद्मा की इस झूठी बात पर कि उनकी ठीक से देखभाल नहीं हुई है, कॉमरेड रमणन्ना बीएन से जबरन वापस हुए. बाद में वे पूर्व बस्तर में सामाजिक शोध के काम में कुछ समय तक लगे रहे. हालांकि यहां यह कहना उचित होगा कि शोध कार्य के बाद उन्होंने जानबूझकर पार्टी मत के विपरीत एवं वस्तुगत वास्तविकता से भिन्न डीके में मौजूदा उत्पादन संबंधों को सामंती पूर्व उत्पादन संबंधों के रूप में परिभाषित किया. इस मौके पर उन्होंने पार्टी पर अनुचित व अनावश्यक

व्याख्याएं की. दण्डकारण्य की उत्तर व पश्चिम सब जोनल ब्यूरोओं ने उनके मत का विस्तार से खंडन करते हुए प्रस्ताव पारित किया.

फिर कॉ. रमणन्ना यह कहते हुए कि नेतृत्व उनके साथ ठीक से व्यवहार नहीं कर रही है, गड़चिरोली जाने की जिद करते रहे. गड़चिरोली में व्याप्त दमन और उनकी वरिष्ठता के मद्देनजर उन्हें वहां जाने की जिद छोड़ने समझाया गया था. कुछ समय बाद डब्ल्यूएसजड टीडी यूनिट के पास रखकर एसटी प्राजेक्ट का काम दिया गया था. लेकिन बहुत कम समय में ही उस यूनिट फंक्शनिंग के लिए दोनों ही सबसे बड़ी बाधा बन गए. ऐसी स्थिति में यूनिट फंक्शनिंग को सुचारू ढंग से जारी रखने के लिए कॉमरेड पद्मा को अलग रखने का पश्चिम सब जोनल ब्यूरो ने निर्णय लिया था. इस पर रमणन्ना बिफर पड़े और पार्टी छोड़कर जाने का निर्णय लिया. इस पूरी लंबी समयावधि के दौरान कॉमरेड रमणन्ना के साथ पार्टी नेतृत्व एवं कैडरों ने काफी संयम के साथ, धीरज के साथ व्यवहार करते रहे. यहां यह बताना लाजिमी होगा कि वे कभी भी संबंधित कमेटियों या ऊपरी कमेटियों के प्रस्तावों पर अमल नहीं किया. उन्हें पार्टी में बचाए रखने के उद्देश्य से कमेटियां उनकी ही बातों को मानती रही. उनकी उम्र, उससे उत्पन्न होने वाली स्वाभाविक समस्याओं को ध्यान में रखकर उनकी जरूरतों की पूर्ति की गयी. उनके व्यक्तिवादी, नौकरशाही, संकीर्णतावादी, पितृसत्तात्मक रुझानों के खिलाफ जब भी हल्के से भी बात उठती तो वे सहन नहीं कर सकते थे. पिछले कुछ समय से वे पार्टी पॉलिसियों, पार्टी के दांवपेंचों के खिलाफ कैडरों के सामने खुलकर बोलने लगे थे. पार्टी के कुछ नेतृत्वकारी कॉमरेडों के खिलाफ खुलकर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते आ रहे थे. कॉमरेड पद्मा जिनके अंदर अराचकतावाद कूट–कूट कर भरा है, को छोड़कर उनके लिए और कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं रहा. एक शब्द में कहा जाए तो उनके भीतर क्रांतिकारी स्फूर्ति खतम हो गया था.

कॉ. पद्मा जहां भी काम करती रही, वहां कैडरों के साथ उनकी हमेशा तीखी नोंकझोंक होती थी. उनके साथ काम करने के लिए कोई भी कैडर तैयार नहीं होते थे. पार्टी के द्वारा यह समझाने के बावजूद कि पार्टी की मदद से वे कहीं भी साधारण जिंदगी बिताए, वे एक न सुनकर राजनीतिक पतन का शिकार होकर दुश्मन के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए ही अड़ गए. ऐसे में उन्हें अंततः यह समझाइश देकर कि वे पार्टी विरोधी कार्य में न लगे और अपनी जिंदगी जिए.

पार्टी छोड़कर जाने व आत्मसमर्पण करने के उनके निर्णय के परिप्रेक्ष्य में सचिवालय उनकी और कॉमरेड पद्मा की पार्टी सदस्यता रद्द करती है.

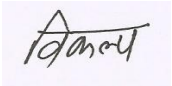

(विकल्प)
प्रवक्ता
दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी
भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)